

শ্রীঃ  
শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ  
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায নমঃ

॥ শ্রী বীররাঘরাষ্টৌতরশতনামারলিঃ ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

শ্রীঃ

শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ

শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ

## ॥ শ্রী বীররাঘরাষ্টোত্তরশতনামাবলিঃ ॥

|    |   |
|----|---|
| 1  | ওং শ্রীবীররাঘরায় নমঃ                       |
| 2  | ওং শ্রীমতে নমঃ                              |
| 3  | ওং কিস্কুহপুরাধিপায় নমঃ                    |
| 4  | ওং বীক্ষারনান্তসঞ্চাররিহাররসিকায় নমঃ       |
| 5  | ওং হরযে নমঃ                                 |
| 6  | ওং শ্রীভূসংরাহিতপদায় নমঃ                   |
| 7  | ওং পুণ্ডরীকায়তেক্ষণায় নমঃ                 |
| 8  | ওং হৃত্তাপনাশনসরস্তীররাসরিলোলহৃদে নমঃ       |
| 9  | ওং বিজয়াযতনায় নমঃ                         |
| 10 | ওং জৈত্রায় নমঃ                             |
| 11 | ওং মধুকৈটভভঞ্জনায নমঃ                       |
| 12 | ওং সহস্রানীকরাজেন্দ্রসমর্চিতপদাম্বুজায় নমঃ |
| 13 | ওং সর্বাশ্রযায় নমঃ                         |
| 14 | ওং সর্বসুহৃদে নমঃ                           |
| 15 | ওং সর্ভভূতমনোহরায় নমঃ                      |

|    |  |
|----|--|
| 16 | ওং দেবর্ষিসিদ্ধগন্ধর্কর্মনুষ্যাদি সমর্চিতায় নমঃ |
| 17 | ওং জগন্নাথায় নমঃ                                |
| 18 | ওং জগদ্বন্দ্যায় নমঃ                             |
| 19 | ওং পুরাণপুরুষোত্তমায় নমঃ                        |
| 20 | ওং শরণ্যায় নমঃ                                  |
| 21 | ওং শরণায় নমঃ                                    |
| 22 | ওং শান্তায় নমঃ                                  |
| 23 | ওং শালিহোত্রহরিঃ প্রিয়ায় নমঃ                   |
| 24 | ওং শেষতল্লশযায় নমঃ                              |
| 25 | ওং শার্ঙ্গিণে নমঃ                                |
| 26 | ওং শরণাগতরৎসলায় নমঃ                             |
| 27 | ওং গরুডাদ্যন্ত্রিতায় নমঃ                        |
| 28 | ওং রিশ্রায় নমঃ                                  |
| 29 | ওং গস্তীরমধুরাকৃতযে নমঃ                          |
| 30 | ওং সুনাসায় নমঃ                                  |
| 31 | ওং সুমুখায় নমঃ                                  |
| 32 | ওং সুক্রুরে নমঃ                                  |
| 33 | ওং সুস্মিতাধররিদ্রমায় নমঃ                       |

|    |  |
|----|--|
| 34 | ওং শালিহোত্রশিরোন্যস্তদক্ষিণশ্রীকরাষ্মুজায নমঃ |
| 35 | ওং রিশালোত্তুঙ্গরক্ষসে নমঃ                     |
| 36 | ওং রিপুলাংসায় নমঃ                             |
| 37 | ওং মহাভুজায নমঃ                                |
| 38 | ওং জ্ঞানমুদ্রাক্ষিতকরায় নমঃ                   |
| 39 | ওং মার্কণ্ডেয়সমর্চিতায নমঃ                    |
| 40 | ওং নাভীনলিনসংভূতব্রহ্মসংশয়নোদনায নমঃ          |
| 41 | ওং সুদীর্ঘোত্তুঙ্গমুকুটায় নমঃ                 |
| 42 | ওং রিতানভুজগাধিপায় নমঃ                        |
| 43 | ওং চিত্রকর্মণে নমঃ                             |
| 44 | ওং চিত্রলীলায নমঃ                              |
| 45 | ওং চিত্রবিন্দুপটারূতায নমঃ                     |
| 46 | ওং লোকোজ্জীরনরিন্যস্তশ্রীপাদজলজদ্রযায নমঃ      |
| 47 | ওং মহেন্দ্রনীলশৈলাভায নমঃ                      |
| 48 | ওং মদনাযিতসুন্দরায় নমঃ                        |
| 49 | ওং মন্দস্মিতলসদ্রুত্রায় নমঃ                   |
| 50 | ওং বক্ষোঝিনিহিতেন্দ্রিরায নমঃ                  |
| 51 | ওং ভূষাযিতদরারীন্দ্রায় নমঃ                    |

|    |   |
|----|---|
| 52 | ওং ভুলোকোত্তরভূষণায় নমঃ                  |
| 53 | ওং সনৎকুমারাদিসিদ্ধসপর্যাতুষ্টমানসায় নমঃ |
| 54 | ওং লারণ্যামৃতরারায়ণে নমঃ                 |
| 55 | ওং রক্ষিতাহিতরাক্ষসায় নমঃ                |
| 56 | ওং স্বক্ষেত্রমহিমাধুতযমকিঙ্করবাধনায় নমঃ  |
| 57 | ওং পুরুষায় নমঃ                           |
| 58 | ওং পূর্জায় নমঃ                           |
| 59 | ওং পুণ্যায় নমঃ                           |
| 60 | ওং পুষ্যদর্শার্চনপ্রিয়ায় নমঃ            |
| 61 | ওং পরায় নমঃ                              |
| 62 | ওং পরমার্থায় নমঃ                         |
| 63 | ওং পরমাত্মনে নমঃ                          |
| 64 | ওং পরাৎপরায় নমঃ                          |
| 65 | ওং বিশ্বেশ্বরায় নমঃ                      |
| 66 | ওং বিশ্বাধারায় নমঃ                       |
| 67 | ওং কৌশিকদ্বিজমোক্ষদায় নমঃ                |
| 68 | ওং ব্রহ্মরুদ্রমহেন্দ্রাত্মনে নমঃ          |
| 69 | ওং সর্গদেবগণস্তুতায় নমঃ                  |

|    |  |
|----|--|
| 70 | ওং ধর্মার্থকামকৈরল্যসকলাভীক্ষিতপ্রদায় নমঃ |
| 71 | ওং আপন্নত্রাণনিরতায় নমঃ                   |
| 72 | ওং সরৌপদ্রনাশনায় নমঃ                      |
| 73 | ওং সন্তানদানসন্তানায় নমঃ                  |
| 74 | ওং সর্ষপ্রত্যক্ষদৈরতায় নমঃ                |
| 75 | ওং শর্করাপিষ্টসম্মোদিনে নমঃ                |
| 76 | ওং স্বাংশপালিতনির্জরায় নমঃ                |
| 77 | ওং ধর্মসেনমহারাজধন্যতাপ্রাপ্তিকারণায় নমঃ  |
| 78 | ওং কুমারায় নমঃ                            |
| 79 | ওং কাম্যরাচে নমঃ                           |
| 80 | ওং কামায় নমঃ                              |
| 81 | ওং কাম্যায় নমঃ                            |
| 82 | ওং কামপ্রদায়কায় নমঃ                      |
| 83 | ওং কান্তায় নমঃ                            |
| 84 | ওং রসুমতীকান্তায় নমঃ                      |
| 85 | ওং করাষুজকৃতভয়ায় নমঃ                     |
| 86 | ওং ব্রিধিনিযোজকায় নমঃ                     |
| 87 | ওং কলশোদধিকল্পনায় নমঃ                     |

|     |   |
|-----|---|
| 88  | ওং শঙ্করাত্মনে নমঃ                          |
| 89  | ওং শঙ্খকরায় নমঃ                            |
| 90  | ওং শঙ্করায় নমঃ                             |
| 91  | ওং শঙ্করার্চিতায় নমঃ                       |
| 92  | ওং প্রদ্যুম্নসদযায় নমঃ                     |
| 93  | ওং সর্বতীর্থাধিকসরঃপ্রিয়ায় নমঃ            |
| 94  | ওং ভক্তাত্মনে নমঃ                           |
| 95  | ওং ভক্তরশ্যায় নমঃ                          |
| 96  | ওং ভক্তন্যাসরশংরদায় নমঃ                    |
| 97  | ওং অজায় নমঃ                                |
| 98  | ওং জিতকাশিনে নমঃ                            |
| 99  | ওং অম্বরীষার্তিরারণায় নমঃ                  |
| 100 | ওং দূরাসোদর্পদলনদ্যুমণিদ্যুতিহেতিরাজায় নমঃ |
| 101 | ওং দেবনাথায় নমঃ                            |
| 102 | ওং দেবভোগ্যায় নমঃ                          |
| 103 | ওং দেবভাগসমর্চিতায় নমঃ                     |
| 104 | ওং পুরুপুণ্যপ্রসন্নাত্মনে নমঃ               |
| 105 | ওং সত্যরত্যাঅজপ্রিয়ায় নমঃ                 |

|     |   |
|-----|---|
| 106 | ওং বৃদ্ধব্রাহ্মণরূপিণে নমঃ                          |
| 107 | ওং শালিহোত্রসমষ্টিতায় নমঃ                          |
| 108 | ওং শ্রীকিস্কুহপুরক্ষেত্রপ্রতিষ্ঠাপরিনিষ্ঠিতায় নমঃ  |
| 109 | ওং শ্রীকনকরল্লীনাযিকাসমেত শ্রীরীরাঘর পরব্রহ্মণে নমঃ |

॥ ইতি শ্রী রীরাঘরাষ্টোত্তরশতনামারলিঃ সমাপ্তা ॥